गोलालारीय समाज का मुखपत्र

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/ICD/1252/2012-2014

श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास इन्दौर

golalariya_darshan@yahoo.in
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है – www.golalariya.com

मासिक
गोलालारीय दर्शन

अपनों के साथ अपनी बातें

जो भरा नहीं हैं भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं। हृदय नहीं पत्थर हैं वो, जिसे समाज से प्यार नहीं।

वर्ष : 4 अंक : 12 पृष्ठ संख्या : 8 माह – मई 2013 सहयोग राशि : 100 रु

संपादकीय

सहयोगी बनकर व्यक्तित्व को निखारें !

एक बालक पढ़ने में बहुत तेज था वह हमेशा कक्षा में प्रथम आता था। धार्मिक परिवार का होने के कारण धर्म में भी रुचि थी। एक बार वह अपने शिक्षक से अपने सहपाठियों की शिकायत करते हुए बोला कि जब मैं आपके कठिन प्रश्नों का जवाब देता हूँ तो मेरे सहपाठी मुझसे जलते है ऐसा करके वे अवश्य ही नरक में जावेंगे। शिक्षक ने विद्यार्थी की पूरी बात ध्यान से सुनी और कहा कि यदि तुम्हारे सहपाठी तुमसे जलने के कारण नर्क में जायेंगे तो क्या उनकी जलन को बताने के लिए तुम उन पर अंगुली नहीं उठा रहे हो तब तुम स्वयं को क्यों नहीं देखते कि तुम भी उनसे जलने लगे हो, अगर जलन के कारण तुम्हारे साथियों ने नर्क का रास्ता चुना है तो तुम भी उसी रास्ते पर बढ़ रहे हो। याद रखे कि जब हम किसी पर एक अंगुली उठाते है तब बाकी तीन अंगुलियां हमारी तरफ होती है। दूसरों की निंदा करने के पहले हमें अपने आप को अवश्य ही परख लेना चाहिए।

सामाजिक जीवन में अनेक व्यवहारों में आलोचना, समालोचना होती ही रहती है परन्तु हमें सदैव यह ध्यान रखना चाहिए कि आलोचना का रुख केवल निंदात्मक नहीं हो, आलोचना सकारात्मक व रचनात्मक हो, आलोचना से किसी के आत्मसम्मान को ठेस न पहुंचे जैसा व्यवहार हम अपने लिए चाहते है वैसा ही व्यवहार हमें भी करना चाहिए।

दूसरों की निंदा करना व उनके कार्यों में सदैव गलतियां निकालने वाला व्यक्ति स्वयं अपनी कमजोरियों को नहीं जान पाता है जो व्यक्ति दूसरों में गुण ना देख पाए वह कभी किसी को आगे बढ़ते हुए नहीं देख सकता है और ना ही किसी की प्रशंसा कर सकता है।

प्रत्येक दिन हमें अपने कार्यों का आत्मविश्लेषण करना चाहिए और ईमानदारी पूर्वक दिन भर में किए गए नकारात्मक व सकारात्मक कार्यों का अवलोकन कर अपने व्यक्तित्व को निखारना चाहिए। ईमानदारी पूर्वक किया गया आत्मविश्लेषण जीवन में बहुत बड़ा परिवर्तन ला सकता है। सकारात्मक कार्य हमें निश्चित ही नवीन ऊंचाईयों तक ले जाने में सहायक होते है।

यदि हम हर समय दूसरों की निंदा व उनमें बुराईयां ढूंढने का काम ही करते रहे तो हम स्वयं ही अपने दुश्मन बन जावेंगे, जीवन में खुशियां, उत्साह व आनंद सब हमसे स्वत: ही दूर हो जायेगी इसलिए सकारात्मक सोच के साथ रचनात्मक कार्यो के लिए सदैव तैयार रहे, फिर देखे हमे अपना व्यक्तित्व बदला बदला सा लगने लगेगा और जीवन फूलों की तरह हल्का और खुशबूओं से महक उठेगा। – राजेन्द्र जैन 'बागो', संपादक

स्नेह सम्मेलन समाज को एकसूत्र में बांधते है।

भोपाल, धन्यकुमार जैन 'देनाबैंक'। श्री गोलालारीय दिगम्बर समाज भोपाल का स्नेह सम्मेलन 7 अप्रैल को सानंद संपन्न हुआ। स्नेह सम्मेलन का शुभारंभ आचार्यश्री विद्यासागरजी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मंगलाचरण श्रीमती नेहा जैन द्वारा एवं स्वागत गीत श्रीमती रिद्धी जैन द्वारा प्रस्तुत किया गया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि श्री निर्मलकुमार जैन असि. कमिश्नर (सेल्स टेक्स), श्रीमती आशा जैन 'पार्षद' थे। सम्मेलन की अध्यक्षता श्री नरेन्द्रकुमार जैन से.नि. महाप्रबंधक स्टेट बैंक ने की। कार्यकारी अध्यक्ष श्री धन्यकुमार जैन ने सभी अतिथियों व साधर्मी भाई बहनों का स्वागत किया। अपने संक्षिप्त उद्बोधन में उन्होंने इन्दौर की बेबी रिया जैन के इलाज के बारे में समाजजनों को अवगत कराया एवं उसके उपचार हेतु श्री अशोककुमार जैन 'शांति सीड्स', संजय जैन 'लालू', अतुल शताब्दी, अनिल –बबीता जैन सीए, विजयकुमार प्रतीक, डॉ. नरेन्द्र जैन एवं श्री गुलाबचंद जैन तामोट भूतपूर्व वनमंत्री म.प्र. शासन द्वारा संचालित ट्रस्ट से श्री शरद तामोट ने यथायोग्य राशि बेबी रिया जैन के खाते में प्रेषित की तथा सभा में म.प्र. शासन से भी यथासंभव सहायता राशि उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया। सम्मेलन में विदिशा से पधारें पं. महेन्द्रकुमारजी का शाल एवं श्रीफल भेंट कर अभिनंदन एवं सम्मान किया गया। इन्होंने ऐलकश्री नि:शंकसागरजी महाराज की प्रेरणा से किरी मोहल्ला में गोलालारीय जैन समाज के परमानंद चैत्यालय के जीर्णोद्धार में तन, मन, धन से सहयोग कर नवीन रुप प्रदान किया। श्री फूलचंदजी योगाचार्य ने रोग भगाये योग से पर उद्बोधन देकर समाज को स्वस्थ रहने का संदेश दिया। नर्मदा ट्राम सेंटर के डाक्टरों द्वारा सम्मेलन में पधारें समाजजनों का नि:शुल्क स्वास्थ परीक्षण किया। डाक्टरों का स्वागत सचिव श्री सुधीर जैन द्वारा किया गया। सम्मेलन में इंजी. श्री महेश तामोट एवं श्रीमती साधना जैन 'आकाशवाणी'ने भी अपने विचार व्यक्त किये। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में देशना जैन, अहाना जैन द्वारा प्रस्तुत नृत्य को समाजजनों ने काफी सराहा। मा. सहज जैन द्वारा सिंथेसाइजर पर गीत की प्रस्तुति ने उपस्थित समाजजनों का मन मोह लिया।

गोलालारीय समाज बेस्ट कपल आफ दी ईयर का पुरस्कार श्री चक्रेश–संगीता जैन व श्री मुकेश–सुनीता जैन के नाम गया। कार्यक्रम का संचालन बबीता जैन, सुधा जैन ने किया। सम्मेलन को सफल बनाने में संजय जैन 'लालू', राजेश जैन, अभिनंदनजी, महेश पंचरत्न, सुशील जैन, सुनील जैन, डॉ. नरेन्द्र जैन, निर्मलकुमार जैन 'शांति सीड्स' व नरेन्द्र जैन आदि का विशेष सहयोग सराहनीय रहा। सम्मेलन के अंत में विगत वर्ष समाज से बिछुड़ गये दिवगंत समाजजनों को भावभीनी श्रद्धांजलि देकर सभा का समापन किया गया। श्री संजय जैन 'लालू' ने स्नेह सम्मेलन में पधारे सभी समाजजनों का आभार एवं धन्यवाद प्रकट किया।

नागपुर

नागपुर, प्रकाशचंद जैन। महावीर जयंती के कार्यक्रम इस वर्ष प.पू. ब्र. प्रद्युम्नकुमारजी के सान्निध्य में सानंद संपन्न हुए। नगर के सभी मंदिरों में नित्य पूजा अर्चना के साथ महावीर जन्मोत्सव के विशेष कार्यक्रम आयोजित किये गये। प्रात: 7.30 बजे परवारपुरा मंदिर से भव्य शोभायात्रा में समाजजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में आदर्श महिला मंडल द्वारा मंगलाचरण का पाठ किया गया। तत्पश्चात अध्यक्ष माननीय श्री अजयजी संचेती (राज्यसभा सदस्य), ध्वजारोहणकर्ता श्री प्रवीणजी चौधरी, दीप प्रज्ज्वलन श्री संतोषजी पेंढारी, प्रमुख अतिथि मा. श्री नितीनजी राउत, विशेष अतिथि श्री अनिलजी सोले के सानिध्य में धर्मसभा हुई। सभा के अंत में ब्रह्मचारीजी ने अपने उद्बोधन में मांसाहार छोड़ शाकाहार अपनाने पर जोर दिया।

संध्या को नागपुर समाज द्वारा 'माता पिता सत्कार समारोह' का आयोजन किया गया, कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि श्री नितिन गड़करी भूतपूर्व रा. अध्यक्ष भाजपा की उपस्थिति में संपन्न कार्यक्रम चार घंटे तक चला। अपने आप में अनूठे रहे इस कार्यक्रम समस्त समाजजनों ने भूरी–भूरी प्रशंसा की। जीयो ग्रुप द्वारा धार्मिक चित्रकला स्पर्धा का आयोजन किया गया, लगभग 450 प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में भाग लेकर भगवान महावीर स्वामी के जीवन से संबंधित हाथ से बनाये हुये चित्रों का प्रदर्शन किया। अंत में विजेताओं को पुरस्कार मुख्य अतिथि श्री नितिन गड़करी द्वारा प्रदान किये गये। कार्यक्रम को सफल बनाने में आशीष प्रकाश जैन ने विशेष योगदान दिया तथा समाजजनों का आभार व्यक्त किया।

गोलालारीय दर्शन समाज के 4500 परिवारों तक नियमित भेजा जा रहा है। संभव है डाक व्यवस्था या आपका पता सही न होने के कारण पत्रिका आपको व आपके रिश्तेदारों तक पत्रिका नहीं पहुंचती है तो उनका नाम व पता पोस्टकार्ड पर लिखकर पत्रिका कार्यालय पर भेज देवें या 9424013136 पर दोप. 4 से रात्रि 10 तक संपर्क कर सकते है या अपने पता का एसएमएस कर सकते है।